खबर संक्षेप

कलेक्टर ने लोगों की सुनीं समस्या एवं शिकायतें

शहडोल। जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के ग्राम कुदरी निवासी प्रशांत सिंह ने अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि दिलवाने, शहडोल निवासी बईलू पनिका ने आधार कार्ड बनवाने, धनपुरी निवासी रूबी सिंह ने धनपुरी अस्पताल में डायलिलिस करवाने, ग्राम खांड निवासी संपत चर्मकार ने विद्युत कनेक्शन लगवाने हेतु आवेदन किया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने दूर-दराज क्षेत्रो से आए लोगों की जनसुनवाई की

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज के क्षेत्रो से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम दुलादर निवासी रामप्रकाश शुक्ला ने ट्रांसफार्मर बदलने, ग्राम बंधवाखुर्द अवैध भूमि की जांच करवाने, धनपुरी निवासी रश्मि नामदेव ने अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने, बुढार निवासी निर्मला चर्मकार ने रोजगार दिलाने, ग्राम बरदौहा निवासी घनश्याम बैगा ने पीएम आवास की राशि दिलवाने, ग्राम जैतपुर निवासी ओमप्रकाश मिश्रा ने सीमांकन की कार्यवाही निरस्त करवाने संबंधित आवदेन दिए। कमिश्नर ने संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य आवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मुद्रिका सिंह सहित संभाग स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

त्योहारों पर सुरक्षा का अभेद्य किला

शहडोल। आगामी बकरीद, मुहर्रम और वर्तमान संवेदनशील परिस्थितियों के बीच जिले में अमन-चैन और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी सिलसिले में जिले के समस्त आसूचना संकलन (खुफिया विंग) में नियुक्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की एक बेहद अहम और रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में समस्त थानों के प्रभारियों सहित जिला विशेष शाखा (ष्ठस्क्च) और विशेष शाखा के जांबाज अधिकारी-कर्मचारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सुरक्षा को लेकर बने कड़े नियम

बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द को हर कीमत पर कायम रखने और संवेदनशील क्षेत्रों में 24 घंटे सतत निगरानी रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। भडक़ाऊ पोस्ट और अफवाहों पर त्वरित नियंत्रण के लिए साइबर सेल और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को दोगुना सक्रिय किया गया है। शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वाले शरारती तत्वों पर सख्त और त्वरित वैधानिक कार्रवाई करने की रणनीति बनाई गई है।

जल क्रांति का शहडोल मॉडलः देश के टॉप-10 जिलों में बनाई जगह

जल शक्ति मंत्रालय के अभियान में लहराया परचम

शहडोल। आदिवासी अंचल शहडोल ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक ऐसा ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसकी गूंज अब देश की राजधानी तक सुनाई दे रही है। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित जल संचय जन भागीदारी अभियान में शहडोल ने देश के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ जिलों में स्थान बनाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। यह कामयाबी जनभागीदारी, अत्याधुनिक तकनीक और प्रशासनिक मुस्तैदी का एक बेजोड़ उदाहरण है।

सीईओ की इस अनूठी सख्ती से बदली तस्वीर

इस महाअभियान की सफलता की नींव जनवरी महीने में ही रख दी गई थी। जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने मैदानी अमले और इंजीनियरों को सीधे फील्ड में उतारकर सख्त लहजे में काम करने के निर्देश दिए थे। खास बात यह रही कि कार्यों में पारदर्शिता और गति बनाए रखने के लिए रोजाना सुबह 10 बजे और शाम 7 बजे कार्यस्थल से सीधे वीडियो कॉल के माध्यम से प्रगति रिपोर्ट देना अनिवार्य किया गया। इस अनूठे प्रयोग ने न केवल भ्रष्टाचार और ढर्रेबाजी पर लगाम लगाई, बल्कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को भी सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखा।

आंकड़ों में शहडोल की जल क्रांति

जिले में युद्ध स्तर पर हुए कार्यों की गवाही पोर्टल पर दर्ज आंकड़े खुद दे रहे हैं, 1.5 लाख से अधिकः जल संरचनाओं का पुनर्जीवन और कायाकल्प किया गया। 10,000 से ज्यादाः सोक पीट (सोख्ता गड्ढों) का निर्माण। 1,500 से अधिकः रूफवाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियों की स्थापना। 1.60 लाख से अधिकः कार्यों की जियो-टैग्ड तस्वीरें पारदर्शिता के लिए पोर्टल पर अपलोड की गईं।

जन-आंदोलन बना कैच द रेन

प्रशासन ने इस मुहिम को केवल दफ्तरों और कागजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया। कैच द रेन, व्हेयर इट फॉल्स, व्हेन इट फॉल्स (वर्षा की बूंदें जहां भी और जब भी गिरें, उन्हें सहेजें) की थीम पर जिले की सभी 390 ग्राम पंचायतों में अलख जगाई गई। इस महायज्ञ में स्कूल शिक्षकों, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम ग्रामीणों ने कंधे से कंधा मिलाकर श्रमदान किया। गांव-गांव में तालाबों के गहरीकरण, कुओं के जीर्णोद्धार और जल संचयन के ढांचों ने विंध्य के इस अंचल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी है। शहडोल का यह सफल विजन अब पूरे मध्य प्रदेश और देश के अन्य राज्यों के लिए एक अनुकरणीय और प्रेरणादायी मॉडल बन चुका है।

किसानों को कृषि के साथ बागवानी की खेती हेतु करें प्रोत्साहित: एम.डी. कृषि मंडी बोर्ड

युवाओ को योजनाओ से जोडक़र बनाएं आत्मनिर्भर, रूचि अनुसार दें प्रशिक्षण

शहडोल। प्रबंध संचालक कृषि मंडी बोर्ड कुमार पुरूषोत्तम ने भारत सरकार के किसान कल्याण वर्ष अंतर्गत चिन्हित जिले में किये जो रहे कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग सहित अन्य विभागो द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। प्रबंध संचालक कृषि मंडी बोर्ड कुमार पुरूषोत्तम ने विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिए कि परंपरागत खेती को बदलते हुए किसानो को आधुनिक तरीके से की जा रही खेती के लिए प्रोत्साहित करें जिससे उनके आय में वृद्वि हो। उन्होंने कहा कि किसानो को शासन द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ प्राथमिकता के साथ दिलाएं जिससे उन्हें कृषि के कार्य करने में आसानी हो एवं किसानबंधु खेती का लाभ का धंधा बना सकें।

उन्होंने कहा कि किसानो को कृषि की खेती के साथ-साथ बागवानी, मछली पालन, फूलो की खेती, उड़द की खेती के लिए भी प्रोत्साहित करें एवं मछली पालन के कार्य में रूचि लेने वाले किसानो को उच्च किस्म में मछली बीज उपलब्ध कराएं। प्रबंध संचालक कृषि मंडी बोर्ड श्री कुमार पुरूषोत्तम ने शासकीय योजनाओ के तहत विभिन्न क्षेत्रो में दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्य में युवाओ को भी जोड़े एवं उनके रूचि के अनुसार प्रशिक्षण दें जिससे वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियो का फालोअप भी किया जाए जिससे उन्हें प्रशिक्षण का लाभ मिल सकें।

उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित शासकीय योजनाओ का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्तियो को दिलाएं एवं योजनाओ की प्रगति मैदानी स्तर पर दिखे यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बैठक में बताया कि डीएमएफ योजनांतर्गत प्रस्तावित कार्य टमाटर की खेती हेतु 572 हितग्राही, मिट्टी नमूना परीक्षण हेतु 7000 हितग्राही, अल्ट्रा हाईडेंसिटी थाई अमरूद की खेती हेतु 200 हितग्राही एवं जायद उड़द की खेती हेतु 600 किसान चिन्हित किये गए है। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के कार्यो की भी जानकारी दी।

प्रबंध संचालक कृषि मंडी बोर्ड श्री कुमार पुरूषोत्तम ने मृद्वा परीक्षण, नस्ल सुधार, वैक्सीनेषन कार्य, केसीसी, मिशन आत्मनिर्भरता, ड्रोन दीदियो का प्रशिक्षण, प्रधानमंत्री मस्त्य संपदा, किसान क्रेडिड कार्ड सहित अन्य योजनाओ के तहत निर्धारित लक्ष्यो की प्रगति की समीक्षा कर प्रगति लाने एवं बेहतर कार्य करने हेतु विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिए।

जल ही जीवन है के स्लोगन से गूंजा विराट नगर

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंगा दशमीं के पावन पर्व पर नगरपालिका शहडोल अंतर्गत हेडगेवार पार्क में जिला स्तरीय कलष यात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बंदू सहेजने हेतु हम सबका दायित्व है कि बावडिय़ो, कुओं, तालाबो आदि अन्य जल स्त्रोतो को संरक्षित करें। उन्हें पुर्नजीवित करने के लिए सामूहिक प्रयास करनें होगे, जल के जीवन बिना जीवन संभव नही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में बढ़ चढक़र आमजन सहभागी बनें और वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने में अपना योगदान दें । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष नगरपालिका घनश्याम जायसवाल ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए हमें प्रकृति द्वारा दिए गए अमूल्य उपहार जल को सहेजना होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वर्षा, भू-जल और सतही जल जैसे नदी तालाब एवं अन्य पुराने जल संरचनाओ से ही मिलता है, इसे मानव द्वारा निर्मित नही किया जा सकता है, इसलिए हमें जो प्रकृति ने उपहार दिया है उसके संरक्षण एवं संवर्धन में प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारो द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन पर आधारित नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। साथ ही उपस्थित जनप्रतिनिधियो, अधिकारियो एवं स्थानीय लोगो द्वारा जल ही जीवन है, जल बचाना हम सबका दायित्व है, जय नर्मदे, जय गंगा मइया के जयकारों से परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश जगवानी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल श्रीमती आशा भंडारी ने किया।

कल ईदुज्जुहा का अवकाश

शहडोल। मध्य प्रदेश शासन ने ईदुज्जुहा (बकरीद) के सार्वजनिक अवकाश की तिथि में संशोधन करते हुए नया आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार अब प्रदेश में ईदुज्जुहा का सार्वजनिक अवकाश गुरुवार 28 मई 2026 को रहेगा। इससे पहले सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा यह अवकाश बुधवार 27 मई 2026 को घोषित किया गया था। राज्य शासन द्वारा जारी संशोधित आदेश के बाद सभी विभागों, कार्यालयों एवं शासकीय संस्थानों को नवीन निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के लिए सूचित कर दिया गया है। शासन ने स्पष्ट किया है कि बुधवार 27 मई को प्रदेश के समस्त शासकीय कार्यालय, बोर्ड, निगम एवं अन्य सरकारी संस्थान पूर्व निर्धारित समयानुसार संचालित होंगे तथा नियमित कार्य संपादित किए जाएंगे।

जोगिंदर के लाल, मचा रहे रामपुर में धमाल

जय अम्बे की आड़ में आदिवासियों के हक पर डाका

गुस्साए आदिवासियों ने उपक्षेत्रीय कार्यालय में जमाया डेरा

शहडोल। छत्तीसगढ़ की जय अम्बे नामक फर्म ने सोहागपुर एरिया के रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में ओबी व कोल खनन का काम लिया है, उक्त फर्म का स्थानीय संचालन कर रहे आलोक नामक कारिंदे ने रोजगार की जगह स्थानीय बैगा जनजाति के युवाओं को भद्दी गालियों से नवाज दिया, विरोध में पूरे गांव ने उपक्षेत्रीय कार्यालय में डेरा डाला, आज पंचायत में रणनीति को लेकर बैठक भी आहुत की गई है। कोयला खनन और ऊर्जा के नाम पर कोल इंडिया के कारिंदे जहां दलाली की कालिख में सर तक डूबे हुए हैं, वहीं जय अम्बे नामक ठेका कंपनी के कारिंदे भी ग्रामीण क्षेत्रों की फिजा बिगाडऩे पर तुले हैं, कोल प्रक्षेत्र से लेकर अपने कार्यालय व ग्रामीण अंचल में इनके शराबखोरी व अय्याशी के आरोप स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लगाये हैं, वहीं आलोक त्रिपाठी नामक कर्मचारी द्वारा बैगा जनजाति के युवाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए भद्दी गालियां दी गई। मंगलवार को इसके विरोध में ग्रामीण लामबंद हो गये और उन्होंने उपक्षेत्रीय प्रबंधक रामपुर बटुरा कार्यालय का घेराव किया और ताला तक नहीं खुलने दिया। इस संदर्भ में आज पंचायत भवन में आगे की रणनीति तय करने के लिए बैठक भी आहुत की गई है, आदिवासी नेताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए जय अम्बे के तथाकथित कारिंदो के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की बातें कहीं हैं।

एसईसीएल में आदिवासियों का महाविस्फोट

सोहागपुर एसईसीएल क्षेत्र के बटुरा और रामपुर कोयला प्रोजेक्ट में स्थानीय बेरोजगारों के हक पर डाका डालने का एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। अपनी ही जमीनों से बेदखल हुए विशेष रूप से संरक्षित बैगा जनजाति के युवा जब रोजगार की भीख नहीं, बल्कि अपना हक मांगने सोहागपुर कालरी दफ्तर पहुंचे, तो प्रबंधन के पाले हुए रसूखदार कर्मचारियों ने उन्हें दुत्कार कर भगा दिया। इस अमानवीय घटना के बाद पूरे सोहागपुर कोयलांचल क्षेत्र में आदिवासियों का गुस्सा फूट पड़ा है और स्थिति कभी भी हिंसक रूप ले सकती है।

बैगा आदिवासियों का घोर अपमान

सोहागपुर एसईसीएल प्रबंधन के संरक्षण में फल-फूल रहे एक रसूखदार कर्मचारी आलोक त्रिपाठी ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं। रोजगार की जायज

मांग लेकर पहुंचे अत्यंत पिछड़े बैगा जनजाति के युवाओं के साथ न केवल अमानवीय बर्ताव किया गया, बल्कि आलोक त्रिपाठी नामक इस कर्मचारी ने उन्हें जातिसूचक और भद्दी-भद्दी गालियां देकर दफ्तर से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया। यह घटना सोहागपुर कालरी प्रबंधन के आदिवासी विरोधी और सामंती चेहरे को साफ उजागर करती है।

पीड़ित राजाराम ने खोली पोल

इस अपमानजनक घटना के चश्मदीद और भुक्तभोगी राजाराम बैगा ने रोते और कसमसाते हुए कालरी प्रबंधन की गुंडागर्दी की पोल खोली। राजाराम ने बताया कि वे सभी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी ही अधिग्रहित जमीनों पर रोजगार की गुहार लगाने गए थे। लेकिन वहां मौजूद आलोक त्रिपाठी ने उन्हें कीड़े-मकोड़ों की तरह समझा। त्रिपाठी ने न सिर्फ इन गरीब आदिवासियों को सरेआम बेइज्जत किया, बल्कि क्षेत्र के चुने हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी सरेआम मां-बहन की गंदी गालियां दीं।

कालरी दफ्तर में मधुशाला और अय्याशी

इस पूरे मामले पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए प्रखर किसान नेता भूपेश शर्मा ने सोहागपुर कालरी प्रक्षेत्र और निजी ठेका कंपनी जय अम्बे के गठजोड़ पर सीधा और तीखा हमला बोला है। किसान नेता ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि आज सोहागपुर कालरी प्रक्षेत्र और कंपनी के दफ्तर केवल कागजी काम के लिए नहीं, बल्कि रसूखदारों की शराबखोरी और अय्याशी का सुरक्षित टापू बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां दिन-रात जाम छलकते हों, वहां गरीब आदिवासियों को न्याय की जगह गालियां ही मिलेंगी।

जमीन हमारी, मलाई बाहरी खा रहे

स्थानीय ग्रामीणों और पीड़ितों की तरफ से मोर्चा संभालते हुए सोहागपुर क्षेत्र की स्थानीय पंच श्रीमती मिथिला गुप्ता ने प्रबंधन को खुली चुनौती दे डाली है। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि कोयला निकालने के लिए जमीनें हमारी छीनी गईं, धूल-प्रदूषण हम झेल

रहे हैं और रोजगार की मलाई बाहरी लोग खा रहे हैं। पंच मिथिला गुप्ता ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि सोहागपुर की माटी पर यह डकैती अब नहीं चलेगी और जब तक युवाओं को हक नहीं मिलता, वे उग्र आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगी।

नोटिस का खोखला प्रशासनिक कोरम

बटुआ-रामपुर में उपजे इस भारी जन-आक्रोश और आदिवासियों के उग्र तेवर को देखकर सोहागपुर के उपक्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा के हाथ-पैर फूल गए। उन्होंने आनन-फानन में मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को शांत करने की नाकाम कोशिश की। प्रबंधक संदीप शर्मा ने मामले को दबाने के अंदाज में कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और आरोपी कर्मचारी आलोक त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा जा रहा है। हालांकि, ग्रामीण अब इस कागजी लीपापोती से संतुष्ट नहीं हैं और आरोपी की तत्काल बर्खास्तगी की मांग पर अड़े हैं।

सरपंच पति की 'समानान्तर सरकार'

भ्रष्टाचार की 'गंगा' में डूबा छपडौर का चेकडैम

जिम्मेदार अधिकारियों की रहस्यमयी खामोशी

मानपुर। सरकारें कागजों पर ढोल पीट रही हैं कि आधी आबादी को आरक्षण देकर पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चलने के काबिल बनाया जा रहा है, लेकिन जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छपडौर में लोकतंत्र का एक अनोखा और 'उन्नत' वर्जन देखने को मिल रहा है। यहां कागजों पर तो सरपंच श्रीमती ममता कोरी हैं, लेकिन मजाल है कि कोई आम आदमी या व्यवस्था उनसे सीधे मुखातिब हो सके, यहां एक नए और असंवैधानिक पद सरपंच पति का बकायदा 'इजाद' हो चुका है। पंचायत का हर कंकड़, हर धेला और हर फैसला इसी 'सरपंच पति' संपत कोरी की मर्जी से तय होता है। सरकार भले ही महिला सशक्तिकरण के नारे लगाए, पर छपडौर में असली पावर पतिदेव के पास ही सुरक्षित है।

भ्रष्टाचार का खुल जा सिमसिम

मामला धखोदर रोड स्थित नउवा ढोढ नदी पर बने एक तथाकथित चेकडैम का है। करीब एक वर्ष पहले 15 वें वित्त आयोग की राशि से इस बांध रूपी तमाशे का निर्माण कराया गया था, जिसकी सरकारी कीमत पूरे 15 लाख रुपये आंकी गई है। निर्माण एजेंसी खुद ग्राम पंचायत छपडौर है। जमीनी हकीकत यह है कि जब बजट पूरे 15 लाख का था, तो काम आज तक अधूरा क्यों है, ग्रामीणों का आरोप है कि इस डैम को बनाने में न तो नियमों की परवाह की गई और न ही नैतिकता की। खुलेआम चोरी की रेत खपाई गई और घटिया निर्माण सामग्री का ऐसा ऐतिहासिक कॉकटेल तैयार किया गया कि बांध पहली ही परीक्षा में फेल होने की कगार पर है।

गायब हैं क्रॉस बैरियर और रिटर्न वॉल

अचरज की बात यह है कि बिना क्रॉस बैरियर और बिना रिटर्न वॉल के ही इस तकनीकी चमत्कार (चेकडैम) को पूर्ण घोषित करने की तैयारी है। तकनीकी जानकारों की मानें तो पहली ही तेज बारिश में पानी इस 15 लाख के स्टॉप डैम को ताश के पत्तों की तरह बहा ले जाएगा, लेकिन साहब जेबें भर चुकी हों तो तकनीकी कमियां भला किसे दिखाई देती हैं, मजे की बात तो यह है कि भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए डैम में गेट नहीं लगाया गया है।

चूने-पुताई के पीछे छुपा घपले का सच

इस भ्रष्टाचार की पटकथा इतनी शातिर है कि फिल्मकार भी शरमा जाएं। कायदे-कानूनों को ताक पर रखकर, अपनी घटिया कारीगरी और भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए पंचायत ने नया तिकड़म भिड़ाया। स्टॉप डैम के ऊपर आनन-फानन में प्लास्टर की मोटी परत चढ़ा दी गई और उसके बाद चमचमाता रंग-रोगन (पुताई) भी करवा दिया गया। मजेदार बात यह है कि सरकारी स्टीमेट में इस रंग-रोगन का कोई बजट ही नहीं होता, यह मेकअप सिर्फ इसलिए किया गया है ताकि अंदर की दरारें और घटिया क्वालिटी जनता की नजरों में न आ सके। हद तो तब हो गई जब नियम के मुताबिक निर्माण स्थल पर प्राक्कलन (सूचना) बोर्ड लगाने की बारी आई। एक साल तक तो बोर्ड का नामोनिशान नहीं था। जब हंगामा बढ़ा, तो आनन-फानन में बोर्ड तो बनवा दिया गया, लेकिन उस बोर्ड को पूरी तरह से कोरा और खाली छोड़ दिया गया है, उस पर न तो लागत लिखी है, न मद और न ही काम की समयावधि, आखिर जनता को सच पता चल गया तो साहब लोगों की नींद हराम नहीं हो जाएगी?

स्टीमेट देखकर ही कुछ बता पाऊंगा...

जब इस महाघोटाले को लेकर अघोषित सरपंच पति संपत कोरी से जानकारी मांगी गई, तो उनका जवाब किसी सयाने राजनेता जैसा था स्टीमेट देखकर ही बता पाऊंगा कि स्टॉप डैम किस मद का है और कितनी लागत का है। अब सवाल यह उठता है कि क्या पंचायत में इतने काम चल रहे हैं कि सर्वेसर्वा को 15 लाख के बड़े काम का पता ही नहीं या फिर सच को छुपाने की नीयत से यह अनजान बनने का ढोंग रचा जा रहा है? दूसरी तरफ, ग्राम पंचायत के सचिव अयोध्या प्रसाद राय स्वीकार करते हैं कि यह काम 15वें वित्त से 15 लाख की लागत से ही हुआ है।

उपयंत्री को सब ऑल इज वेल क्यों दिखता है

इस पूरे मामले में सबसे रहस्यमयी भूमिका इलाके के उपयंत्री की रही है। रेत चोरी की गवाही नदी खुद दे रही है, अधूरा निर्माण आंखों के सामने खड़ा है, लेकिन हमारे उपयंत्री महोदय को आज तक इस डैम में कोई खामी नजर नहीं आई। इसे अंधतुल्य प्रशासनिक निष्ठा कहें या फिर मंथली कमीशन का जादू, यह तो जांच का विषय है। साफ जाहिर होता है कि सरकारी खजाने की आधी राशि ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत के आला अधिकारियों की जेबों में सरका दी गई है।

कलेक्टर और सीईओ से इंसाफ की उम्मीद

छपडौर के ग्रामीणों की निगाहें अब कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया पर टिकी हैं। जनता को पूरी अपेक्षा है कि इस गंभीर और मखौल बन चुके मामले को संज्ञान में लेते हुए एक उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच टीम गठित की जाएगी। यदि मौके पर बारीकी से जांच हुई, तो दूध का दूध और पानी का पानी होने में वक्त नहीं लगेगा, और विकास के नाम पर मलाई काटने वाले इन सफेदपोशों और भ्रष्ट अधिकारियों की कलाई सरेबाजार खुल जाएगी।

साध्वियों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के विरोध में सड़कों पर उतर आया सकल जैन समाज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। रीवा में दो जैन साध्वियों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के विरोध में सोमवार को सकल जैन समाज कोतमा सड़कों पर उतर आया। समाज ने जैन संतों की सुरक्षा और घटना की निष्पक्ष व उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। समाज के लोगों द्वारा दोपहर से अपने प्रतिष्ठान बंद कर जैन मंदिर में एकत्र होते हुए काली पट्टी बांधकर नगर के मुख्य मार्गों में मौन जुलूस निकाला गया। हादसे की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। रैली में शामिल पुरुष, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर साध्वियों को न्याय दिलाने और पद विहार के दौरान जैन संतों को सुरक्षा प्रदान करने की मांगें लिखी हुई थीं। जैन समाज के लोगों ने बताया कि 20 मई को मध्य प्रदेश के रीवा जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट भवन के सामने राष्ट्र संत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका श्रुतमति माताजी और आर्यिका उपशममति माताजी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। आरोप है कि दुर्घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज देखने से यह सामान्य दुर्घटना नहीं लगती, बल्कि किसी सुनियोजित कृत्य की आशंका है। इन वीडियो और तथ्यों के सामने आने के बाद से देश भर के जैन समाज में चिंता का माहौल है। समाज के वरिष्ठ सदस्यो ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जैन साधु-साध्वियां पूरी तरह निहत्थे, अहिंसक और पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। वे किसी भी प्रकार की सुरक्षा या आधुनिक सुख-सुविधा का उपयोग नहीं करते और हमेशा समाज को शांति, संयम व अहिंसा का संदेश देते हैं। ऐसे संतों के साथ इस प्रकार की वीभत्स घटना होना बेहद निंदनीय है। जैन समाज प्रशासन से मांग करता है कि दोषी कार चालक को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और भविष्य में संतों के पद विहार के समय पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। जैन समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि आर्यिका माताजी (साध्वियां) सड़क के बिल्कुल किनारे शांतिपूर्वक पैदल विहार कर रही थीं। इसके बावजूद कार चालक ने पूरी खाली सड़क को छोड़कर जानबूझकर साध्वियों के ऊपर कार चढ़ा दी और फिर गाड़ी को वापस रोड की तरफ मोड़कर भाग निकला। समाज का साफ कहना है कि यह महज एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सोची-समझी क्रूर हत्या है। एसआईटी या न्यायिक जांच की मांग रीवा में हुई आर्यिका माताजी दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय एसआईटी या न्यायिक जांच कराई जाए। साक्ष्यों की सुरक्षा घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी और डिजिटल साक्ष्यों को तुरंत सुरक्षित किया जाए ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

जल संरक्षण एवं स्वच्छता का दिया संदेश

गंगा दशहरा पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कसेरू ने किया श्रमदान

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान पर गंगा दशहरा के पावन अवसर पर नवांकुर संस्था जया सेवा समिति सेक्टर अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कसेरू द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सोमवार को ग्राम पंचायत कसेरू में हलफल नदी उद्गम स्थल पर जल संरक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा, नदी पूजन एवं बोरीबंधान कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। वहीं झिरिया आश्रम में भंडारे का आयोजन कर सामाजिक समरसता और जनसहभागिता को बढ़ावा दिया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देना रहा।

इस अवसर पर जनपद सीईओ ने हलफल नदी उद्गम स्थल पर जल कुंड निर्माण की आवश्यकता बताते हुए कहा कि जल संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला ने गंगा दशहरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल रहेगा तो कल रहेगा, इसलिए जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। कार्यक्रम में शैलेन्द्र सिंह, ब्लॉक समन्वयक महेंद्र सिंह, ब्लॉक समन्वयक शिववचन कुशवाहा, सरपंच सिया बाई जायसवाल, जनपद सदस्य धानु प्रजापति, नवांकुर संस्था अध्यक्ष देव प्रकाश गौतम, परामर्शदाता अन्नपूर्णा सोनी, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष अशोक सिंह, सचिव समयलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कलाकारों ने भक्ति गीतों एवं जल गीतों की दी प्रस्तुति

गंगा दशहरा के अवसर पर सगरा तालाब में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

उमरिया।

गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला मुख्यालय उमरिया स्थित सगरा तालाब में सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जिला अनूपपुर से आई कलाकार खुशबू ने राम आएंगे तो अंगना सजाऊँगी एवं गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं स्थानीय कलाकार विष्णु द्विवेदी तथा अनूपपुर की कलाकार द्वारा मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया गया। कलाकार राज कुमार महोबिया ने जल गीत के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों के माध्यम से जल संरक्षण, प्रकृति संवर्धन एवं नदियों के महत्व का संदेश दिया। उपस्थित जनसमुदाय ने कार्यक्रम का आनंद लिया तथा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया गया। आयोजकों ने नागरिकों से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन गंगा आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज,मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने 135 आवेदकों की सुनी समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे 135 आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सविता सिंह पति कौशल ग्राम सलैया - 13 पोस्ट कौडिया का आधार कार्ड पंजीयन, सुश्री बेला बाई बैगा पिता रामलाल कुदरी नौरोजाबाद का आधार कार्ड के लिए नवीन पंजीयन कराया गया । इसी तरह सुश्री शिवानी कोल ग्राम महुरा का आधार नंबर आधार एक्ट 2016 की धारा 28 के तहत निष्क्रिय था जिसे सक्रिय किए जाने हेतु फुल बायोमैट्रिक अपडेट करा दिया गया है। जनसुनवाई में विभिन्न ग्रामों एवं क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। ग्राम दमोय के राजा पटेल ने रास्ता खुलवाने की मांग की, जबकि गणेश सिंह मुंडा ने सीमांकन के लिए टीम गठित किए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम उरदानी के चंद्रभान सिंह ने स्वयं एवं अपने पुत्रों की मजदूरी भुगतान की मांग की। इसी प्रकार ग्राम करकेली की माया यादव ने इंडोर स्टेडियम निर्माण कार्य में चौकीदारी एवं मजदूरी भुगतान कराने की मांग रखी। पुराना पड़ाव निवासी पन्नालाल सोनी ने गल्ला पर्ची बनवाने, जबकि कछरवार के ओमप्रकाश विश्वकर्मा ने नजरी नक्शा तैयार कर सीमांकन कराने का आवेदन दिया।

त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

ग्राम डगडौवा की शांति बाई राठौर ने रास्ता खुलवाने एवं हैंडपंप स्थापित कराने की मांग की। कैंप निवासी अमित रजक ने कैंसर से पीड़ित होने के कारण उपचार हेतु आर्थिक सहायता दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया। फजिलगंज की केशकली सिंह ने घर से सटे पीपल के पेड़ को हटाने की मांग की। विकटगंज की राधा बैगा, मीना, शकुन, वंदना एवं सजनी ने पेयजल समस्या के निराकरण की मांग की। खेरवाखुर्द की द्रोपती बैगा ने विवाह सहायता राशि दिलाने तथा ग्राम घुनघुटी की द्रोपती सिंह ने पुत्री राधिका सिंह की मृत्यु के बाद संबल योजना का लाभ दिलाने हेतु आवेदन दिया। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर पीके सेनगुप्ता, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

3 जून को डीएलआरसी एवं डीएलसीसी की बैठक

उमरिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की मार्च 2026 तिमाही कि जिला स्तरीय समीक्षा (डीएलआरसी) एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक का आयोजन 3 जून 2026 को अपरान्ह क्रमशः 4 बजे एवं 5 बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय कि अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया है बैठक में जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की दिसम्बर 2025 तिमाही बैठक का कार्यवाही विवरणी,जमा एवं अग्रिम अनुपात तथा बैंकिंग पैरामीटर की समीक्षा , वित्तीय वर्ष 2027-28 हेतु संभाव्यतायुक्त ऋण योजना (पीएलपी) के प्रारूप पर चर्चा, जिले में एग्री क्लिनिक एवं एग्री-बिजनेस सेंटर योजना की समीक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर विस्तृत चर्चा, सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई शिकायतों की समीक्षा, गैर निष्पादन सम्पत्तियाँ की समीक्षा एवं सुधार हेतु कार्ययोजना आरसीसी की समीक्षा,प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के इन्ट्रेस्ट सब्सिडी स्कीम घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस,एलआईजी,एम आई जी वर्ग के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने संबंधी,एसबीआई आरसेटी उमरिया की समीक्षा,विभिन्न शासकीय योजनाओं की विभागवार अद्यतन प्रगति की समीक्षा, वित्तीय साक्षरता अभियान एवं प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रामीण शाखाओं के द्वारा शिविर आयोजन की समीक्षा,अनक्लेम्ड डिपोजिट के रिफंड की योजना एवं आरई केवायसी पर चर्चा सहित अन्य विषयो पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

3 जून को विश्व साइकिल दिवस पर उमरिया साइक्लोथों का आयोजन, अधिकारियो की लगाई गई ड्युटी

उमरिया।

मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 3 जून 2026 को विश्व साइकल दिवस के अवसर पर उमरिया जिले में 5 कि.मी. का उमरिया साइक्लोथों 2026 इवेंट (गैर प्रतिस्पर्धी) आयोजित किया जाना है। यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत केंद्र उमरिया के तत्वाधान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उमरिया के सहयोग से आयोजित किया जाना है।

कार्यक्रम मुख्य रूप से 15 से 29 वर्ष के युवाओं के लिए समर्पित है, हालाँकि इसमें सभी आयु वर्ग के साइकल प्रेमी भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य उमरिया जिले में एक वृहद स्तरीय सायक्लॉथॉन के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली, स्वच्छ परिवहन एवं पर्यावरण से अनुकूल जीवन शैली का प्रचार-प्रसार करना है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि 3 जून को स्टेडियम से उमरिया साइक्लोथों का आयोजन सुबह 6 बजे से कया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियो की डयुटी लगाई गई है। उन्होने कहा है कि कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु सौपे गये दायित्वो का कार्यक्रम के पूर्व समुचित व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें साथ ही कार्यक्रम की अधिक जानकारी हेतु उमाशंकर त्रिवेदी जिला युवा अधिकारी कार्यालय मेरा युवा भारत जिला उमरिया के मोबाइल नंबर 8920706966 से संपर्क किया जा सकता है।

परासी में धू-धू कर जली तेंदूपत्ता से भरी पिकअप, लाखों का नुकसान

मानपुर।

बल्हौड़ समिति के अंतर्गत ग्राम परासी 'अ' में सिस्टम की लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते एक बड़ा हादसा हो गया। यहां तेंदूपत्ता लोड कर निकली एक पिकअप गाड़ी एमपी 18 जीए 5243 में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने ऐसा विकराल रूप धारण किया कि लाखों का तेंदूपत्ता और गाड़ी जलकर पूरी तरह खाक हो गए।

धूं-धूं कर जला वाहन, मची अफरा-तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन परासी से मुख्य सडक़ की ओर आ रहा था। स्वागत गेट से महज 150 मीटर पहले मोड़ पर अचानक गाड़ी से धुएं का गुबार उठा। जब तक चालक कुछ समझ पाता, आग की लपटों ने पूरी गाड़ी को घेर लिया। गनीमत रही कि वाहन मालिक सह चालक विजय कुमार पटेल निवासी नगनौड़ी, शहडोल ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई, हालांकि गाड़ी में रखे तमाम जरूरी दस्तावेज भी

जलकर राख हो गए।

कौन लेगा इस बर्बादी की जिम्मेदारी

इस अग्निकांड ने समिति के सुरक्षा दावों की पोल खोलकर रख दी है। सवाल उठता है कि जब समिति से माल लोड कर रवाना किया गया, तो सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं थे, आखिर इस लाखों रुपये के नुकसान की भरपाई कौन करेगा? क्या अफसर अब भी गहरी नींद में सोए रहेंगे या इस भारी लापरवाही पर कोई सख्त एक्शन होगा।

नौतपा के दूसरे दिन गर्मी ने बरपाया कहर, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नौतपा के दूसरे दिन मंगलवार को सूरज ने अधिक गर्मी दिखाई। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान किया। दोपहर में सड़कें सूनी और बाजारों में भीड़ कम थी। नौतपा के दूसरे दिन मंगलवार को सूरज के तेवर और अधिक सख्त नजर आए। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर होते-होते सड़कें सूनी पड़ गईं और बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ दिखाई दी। तेज तपिश के चलते लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे थे। किसान और मजदूर तेज धूप में काम करने में कठिनाई महसूस कर रहे थे। चिकित्सकों ने धूप में जाने से बचने और अधिक पानी पीने की सलाह दी। सुबह करीब नौ बजे के बाद ही धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। दोपहर में हालात ऐसे

रहे कि राहगीर छांव तलाशते नजर आए। बाइक सवार और दुपहिया वाहन चालक चेहरे को कपड़े से ढककर सफर करते दिखाई दिए। भीषण गर्मी के कारण बाजारों में गन्ने के रस, शिकंजी, जूस और अन्य ठंडे पेय पदार्थों के साथ ही आइसक्रीम कुल्फी की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। गर्मी का असर ग्रामीण इलाकों में भी देखने को मिला। खेतों में काम कर रहे किसान और मजदूर तेज धूप के कारण परेशान नजर आए। कई किसानों ने दोपहर के समय खेतों में काम बंद कर दिया। वहीं पशुओं के लिए भी पानी की व्यवस्था करना चुनौती बना रहा। चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है और तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। नौतपा के दूसरे दिन कोतमा में अधिकतम 42 डिग्री सेल्सियस से तापमान लगभग 43 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय भीषण गर्मी और उमस का अहसास हुआ। जबकि पिछले साल नौतपा के दूसरे दिन झमाझम बारिश होने के कारण मौसम मे ठंडक का अहसास लोगों ने महसूस किया था। भीषण गर्मी के कारण पंखे कूलर एसी भी काम नही कर रहे हैं वहीं भीषण गर्मी के कारण बिजली की खपत भी बढ गई है।

खबर संक्षेप

चाकू लेकर घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

कटनी। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर फारेस्टर प्ले ग्राउंड से मोहम्मद यासीन 19 वर्ष निवासी खिरहनी फाटक को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एक धारदार चाकू जब्त किया गया है। पुलिस ने धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इसी तरह गायत्री नगर पुलिया के पास से भी अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से पुलिस ने धारदार चाकू बरामद किया।

युवक एवं वृद्ध ने फांसी लगा की खुदकुशी

कटनी। कुठला और रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र में आत्महत्या के दो मामले सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार कुठला थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पिलौजी में सुखीलाल 62 वर्ष ने फांसी लगा ली जिससे उनकी मौत हो गई। घटना 24 मई की सुबह करीब 08:15 बजे की है। घटना की सूचना पर कुठला पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इसी तरह रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र के फारेस्टर वार्ड में छोटू कोल 36 वर्ष ने 24 मई की सुबह करीब 6 बजे अपने घर में फांसी लगा ली। सूचना पर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

सिद्धान्त जैन का डीएफओ पद पर चयन

स्लीमनाबाद। नगर क़े व्यवसायी एवं समाजसेवी सुधीर जैन क़े सुपुत्र सिद्धान्त जैन का डीएफओ पद पर चयन हुआ हैं। सिद्धान्त जैन ने यूपीएससी परीक्षा मे 42वी रैंक हासिल कर डीएफओ पद पर चयनित हुए। सिद्धान्त ने डीएफओ पद पर चयन होकर स्लीमनाबाद का नाम गौरवन्वित किया। सिद्धान्त जैन का डीएफओ पद पर चयन होने क़े बाद सोमवार को अपने गृह ग्राम स्लीमनाबाद आगमन हुआ जहाँ स्लीमनाबाद तिराहा पर उनका ढ़ोल नगाड़ो, आतिशबाजी के फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। जुलूस स्लीमनाबाद तिराहा से प्रारम्भ होकर जैन मंदिर पहुँचा जहाँ पूजा अर्चना की गई। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य पंडित प्रदीप त्रिपाठी, रवि दुबे, गणेश तिवारी, सुनील गुप्ता, सतीशचंद्र जैन, श्रेयांश जैन,संजय जैन, संदीप जैन, बबला जैन, मयूर जैन,पप्पू जैन, संस्कार जैन,सहित बड़ी संख्या मे जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों व स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

फुट रबर प्लांट में लगी भीषण आग से हड़कंप

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित अजय फुट रबर प्लांट में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। फैक्ट्री से उठती आग की लपटें और काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप और अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग के चार वाहन तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। आगजनी के कारण फैक्ट्री के भीतर रखा लाखों रुपये का माल और मशीनरी जलकर खाक होने की आशंका जताई जा रही है।

पेयजल समस्या के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

कटनी। जिले में ग्रीष्मऋतु में ग्रामीण क्षेत्र के पेयजल समस्या समस्या का त्वरित निराकरण एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति की सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला स्तर एवं उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07622-225752 है। कलेक्टर के निर्देश पर स्थापित जिला कंट्रोल रूम में सभी कार्य दिवसों में संचालित रहेगा।

एमपी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन की द्विपक्षीय वार्ता संपन्न

शहडोल। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रबंधन और विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के बीच प्रांतीय स्तर की द्विपक्षीय समीक्षा बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। जबलपुर स्थित शक्ति भवन में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) संपदा सराफ की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संगठन द्वारा सौंपे गए 15 सूत्रीय एजेंडे पर बिंदुवार विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बिजली कर्मचारियों और पेंशनर्स की लंबित समस्याओं के त्वरित निराकरण पर सहमति बनी है।

10 दिनों में समस्याओं के निराकरण के निर्देश

मुख्य महाप्रबंधक ने बैठक में उपस्थित सभी विभागीय प्रमुखों और उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि संगठन द्वारा उठाए गए मुद्दों का 10 दिनों के भीतर निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यालय स्तर पर कार्यों में लापरवाही बरतने वाले जवाबदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। समस्याओं के हल होते ही 'मिनट्स ऑफ मीटिंग' की प्रतिलिपि संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष को सौंपने पर भी सहमति बनी।

बैठक के मुख्य बिंदु और निर्णयः

श्रम कल्याण भवन का निर्माणः शहडोल में श्रम कल्याण भवन के अधूरे कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराने पर विशेष सहमति बनी। वेतन विसंगति और विभागीय जांचः कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों को दूर करने और लंबित विभागीय जांचों का जल्द निपटारा करने पर जोर दिया गया।

आउटसोर्स कर्मचारियों का भुगतानः

आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को प्रति माह नियमानुसार समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेंशनर्स की समस्याएंः

सेवानिवृत्त कर्मचारियों (पेंशनर्स) को आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को तत्काल दूर करने की बात कही गई। आगामी बैठकः प्रबंधन द्वारा जल्द ही पत्राचार के माध्यम से अगली समीक्षा बैठक की तिथि निश्चित की जाएगी।

बैठक में ये रहे उपस्थित

इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के कई प्रांतीय व जिला पदाधिकारी मौजूद रहे। जिनमें मुख्य रूप सेःके.डी. द्विवेदी (प्रांतीय अध्यक्ष, शहडोल),ओ.पी. सोनी (कार्यवाहक अध्यक्ष, नरसिंहपुर),विजय कुमार चौकसे (महासचिव, जबलपुर),मोहन अग्रवाल (प्रांतीय प्रवक्ता),एस.के. तिवारी (एडवोकेट, प्रांतीय सचिव, शहडोल),उमेश कुमार कचेर (अध्यक्ष, शहडोल मुख्यालय शाखा),राजेश जैन, रवि सक्सेना व लल्लू पटेल (जबलपुर),आर.जी. त्रिपाठी (उमरिया), ज़हमत लाल रजक (अध्यक्ष, पन्ना)छंगे राम बर्मन, रामायण शर्मा, पुरुषोत्तम पटेल और रामबन (शहडोल) शामिल थे।

उपभोक्ताओं का हित सर्वोपरि

बैठक के समापन पर यूनियन के महासचिव विजय कुमार चौकसे ने आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बिजली उपभोक्ता हितों को सर्वोपरि रखते हुए कंपनी की उन्नति के लिए सभी अधिकारी, कर्मचारी और पेंशनर्स कदम से कदम मिलाकर कार्य करते रहेंगे। अंत में प्रांतीय अध्यक्ष के.डी. द्विवेदी ने सफल वार्ता के लिए प्रबंधन व यूनियन के सभी साथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीराम जानकी मन्दिर के महन्त अर्जुन दास श्रीमद्भागवत कथा का करा रहें रसास्वादन

भव्य कलश यात्रा पुण्य सलिला अमरकंटक में कथा के निमित्त निकाली गई

बुढ़ार। श्रीराम जानकी मन्दिर भक्त परिवार बुढ़ार द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन धारकुण्डी आश्रम कपिलधारा धाम अमरकंटक में किया गया है, और सात दिवसीय आयोजित कथा के निमित्त भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुजन पूरे श्रद्धाभाव से सम्मिलित हुये।

अधिमास के पावन पर्व पर पुण्य सलिला मां नर्मदा के उद्गम स्थली स्थित श्री परमहंस धारकुण्डी आश्रम कपिलधारा मार्ग अमरकंटक में श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार एवं श्री दक्षिण काली पीठ आश्रम इन्दौर के पूज्य महन्त अर्जुन दास महाराज कथा व्यास की आसंदी से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण श्रद्धालु धर्म प्रेमियों को इन दिनों करा रहे हैं, और कथा का श्रवण कर श्रद्धालुजन अपना जीवन सौभाग्य मय बना रहे हैं। श्रीराम जानकी मन्दिर भक्त परिवार बुढ़ार के संयोजन में पुण्य सलिला अमरकंटक में श्रीमद् भागवत कथा का यह आयोजन भव्य कलश यात्रा से विधिवत हुई और 25 मई से आगामी 31 मई तक नित्य अपरान्ह 3 बजे से हरिइच्छा तक श्रद्धालुजन कथा का रसास्वादन कर सकेंगे।श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार के साकेतवासी परमपूज्य स्वामी श्री नारायण दास शास्त्री जी महाराज, जगदगुरु मलूक पीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेन्द्र दास देवाचार्य जी महाराज एवं ब्रह्मलीन श्री श्री 108 महन्त श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार श्रीराम बालक दास जी महाराज एवं स्वामी श्री धारकुण्डी आश्रम अमरकंटक के सदप्रेरणा से श्रद्धालुधर्म प्रेमियों को श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार के पूज्य महन्त अर्जुन दास जी महाराज के मुखारविन्द से श्रद्धालुधर्म प्रेमियों को श्रीमद् भागवत कथा श्रवण का स्वर्णिम अवसर मिला है और कथा का नित्य धर्मप्रेमी रसास्वादन कर रहे हैं।अधिमास के पुण्य अवसर पर 25 मई से 31 मई तक आयोजित श्रीमद् भागवत कथा श्रवण का लाभ बुढ़ार तथा आसपास के क्षेत्रीय जनों व कोयलांचल वासियों से अधिकाधिक संख्या में अमरकंटक पहुंचकर अर्जित करने का सादर आग्रह कथा आयोजन भक्त परिवार द्वारा की गई है।

नौतपा में कर्मचारियों को पिलाया गया शर्बत, बचाव का दिया संदेश

अमलाई। भीषण गर्मी और नौतपा को देखते हुए ओरिएंट पेपर मिल्स प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों एवं श्रमिकों के लिए विशेष व्यवस्था की गई। मुख्य गेट पर कर्मचारियों को ठंडा शर्बत पिलाकर गर्मी से राहत दिलाई गई।इस अवसर पर कंपनी के एचआर एवं पर्सनल और सुरक्षा विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कर्मचारियों को नौतपा के दौरान स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने, अधिक से अधिक पानी पीने, धूप में निकलते समय सिर ढकने तथा गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने शर्बत ग्रहण किया और कंपनी की इस पहल की सराहना की। प्रबंधन ने कहा कि भीषण गर्मी में कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

आजाद चौक प्यासा, होटल के भरोसे जनता

भीषण गर्मी में वाटर एटीएम की मांग तेज, बस स्टॉप नहीं होने से राहगीर बेहाल

धनपुरी। नगर का सबसे व्यस्त और हृदय स्थल माना जाने वाला आजाद चौक इन दिनों मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर चर्चा में है। भीषण गर्मी के बीच चौक पर पेयजल व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों, यात्रियों और व्यापारियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। हालत यह है कि प्यास बुझाने के लिए लोगों को आसपास के होटलों और दुकानों का सहारा लेना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आजाद चौक से प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही होती है। बाजार, बैंक, अस्पताल, स्कूल और अन्य जरूरी कार्यों से लोग यहां पहुंचते हैं, लेकिन नगर पालिका द्वारा अब तक ठंडे पेयजल या वाटर एटीएम जैसी कोई स्थायी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। दोपहर की तेज धूप में राहगीरों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। लोगों ने मांग की है कि नगर पालिका यहां शीघ्र वाटर एटीएम स्थापित करे ताकि आमजन को राहत मिल सके।

बस स्टॉप नहीं, धूप में इंतजार को मजबूर यात्री

आजाद चौक के पास बस स्टॉप नहीं होने से यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली छात्रों को सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। कई बार तेज धूप और बारिश में यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यहां व्यवस्थित बस स्टॉप बना दिया जाए तो यात्री सुविधा के साथ यातायात व्यवस्था भी सुधर सकती है।

लगे सीसी कैमरे

आजाद चौक में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लंबे समय से सीसी कैमरों की मांग उठ रही थी। इस मुद्दे ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। समाचार प्रकाशित होने के बाद नगरपालिका प्रशासन हरकत में आया और नगरपालिका सीएमओ के निर्देश पर आजाद चौक, इमामबाड़ा चौक और कॉलेज तिराहा पर सीसी कैमरे लगाए गए। अब चौक पर लगाई गई "तीसरी आंख" से गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। व्यापारियों और नागरिकों ने कैमरे लगने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे असामाजिक तत्वों पर नजर रखने में मदद मिलेगी और चोरी, विवाद जैसी घटनाओं में कमी आएगी।

अब जनता को पानी और सुविधा का इंतजार

नागरिकों का कहना है कि जिस तरह समाचार के बाद प्रशासन ने सीसी कैमरे लगाने में तत्परता दिखाई, उसी तरह अब लोगों की मूलभूत सुविधाओं पर भी ध्यान देना चाहिए। भीषण गर्मी को देखते हुए आजाद चौक में वाटर एटीएम और बस स्टॉप की मांग तेजी से उठ रही है। अब देखना होगा कि नगर पालिका जनता की इस मांग पर कब तक अमल करती है।

नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ समस्या से जूझ रहे सफाई कर्मचारियों से हुए रूबरू

कोतमा। नगर के एलआईसी ऑफिस के पीछे सफाई कर्मी निवास करते हैं जहां पर मूलभूत सुविधाओं की कमी होने के कारण सफाई कर्मियों का परिवार परेशानी का सामना करते हैं। सफाई कर्मी काफी दिनों से मोहल्ले में सड़क एवं नाली नहीं होने की समस्या से जूझ रहे हैं नगर पालिका से सड़क एवं नाली निर्माण करवाए जाने की मांग वर्षों से कर रहे हैं। सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, पार्षद सहन बंशल, समाजसेवी हनुमान गर्ग, दीप कुमार सोनी, नपा कर्मचारी अजय विश्वकर्मा सफाई कर्मचारियों के परिवार के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं से रूबरू होते हुए जल्द ही मोहल्ले में सड़क निर्माण कार्य करवाई जाने का आश्वासन दिया गया। सफाई कर्मचारियों के परिवार जनों ने बताया कि मोहल्ले में सड़क एवं नाली नहीं होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी बारिश के दिनों होती है जब कच्ची सड़क पूरी कीचड़ में हो जाती है और पैदल चलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं घरों के निस्तार का पानी नाली नहीं होने के कारण सड़कों पर बहता है जिससे हर समय कीचड़ एवं गंदगी बनी रहती है यहां तक की नली का गंदा पानी एक जगह इकट्ठे हो जाने के कारण मच्छर पनपते हैं जिसे परिजनों को कई प्रकार की घातक बीमारी होने का अंदेशा बना रहता है। समस्या से नपा अध्यक्ष अजय सराफ रूबरू होते हुए आश्वासन दिया कि तीन से चार दिनों के अंदर सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा इस बरसात के मौसम मे कीचड से आप लोगों को निजात मिलेगी साथ ही नाली के पानी की निकासी को लेकर नगर पालिका के लोक निर्माण विभाग के द्वारा सर्वे कर किया जाएगा और उसके बाद नाली का निर्माण कर भी करवाया जाएगा।

मौन आक्रोश के साथ उठी संत सुरक्षा की मांग

जैन समाज ने निकाला शांतिपूर्ण जुलूस, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पावन धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में आज दिगंबर जैन समाज द्वारा संत सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एक अनुशासित एवं शांतिपूर्ण मौन जुलूस निकाला गया। समाज के पुरुषों एवं महिलाओं ने प्रातः लगभग 11 बजे संगठित होकर नगर में मौन यात्रा करते हुए पुलिस थाना अमरकंटक पहुंचकर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से समाज ने विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, राष्ट्रीय स्तर पर संत सुरक्षा नीति लागू करने तथा हाल ही में हुई दुखद घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। इससे पूर्व समाजजनों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। मौन जुलूस केवल विरोध का माध्यम नहीं था, बल्कि संत समाज के प्रति श्रद्धा, संवेदना और सुरक्षा को लेकर समाज की सामूहिक चिंता का प्रतीक भी बना। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि जैन साधु-संत त्याग, तप, संयम एवं पूर्ण अहिंसा के मार्ग पर जीवन व्यतीत करते हैं। वे आत्मरक्षा के किसी साधन का उपयोग नहीं करते, ऐसे में उनके विहार के दौरान सुरक्षा की जिम्मेदारी समाज और प्रशासन दोनों की बनती है। समाज ने मांग की कि संबंधित घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग, वीडियो एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विगत दिवस रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर विहार के दौरान हुई सड़क दुर्घटना में दो ब्रह्मचारिणी माताजी का घटनास्थल पर ही दुखद निधन हो गया, जबकि एक माताजी गंभीर रूप से घायल होकर उपचाररत हैं। इस घटना ने संपूर्ण दिगंबर जैन समाज को गहरे शोक, पीड़ा और चिंता में डाल दिया है। समाजजनों ने इसे अत्यंत गंभीर विषय बताते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की। संतों की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन में संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार करने, संवेदनशील विहार मार्गों पर विशेष सुरक्षा प्रबंध करने, स्थानीय स्तर पर संत सुरक्षा समन्वय प्रकोष्ठ गठित करने तथा आपातकालीन संपर्क व्यवस्था विकसित करने का सुझाव भी दिया गया। साथ ही संतों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में शामिल करने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मचारी दीपक जैन, सुनील जैन, महेश जैन, देवेंद्र जैन, आदित्य जैन, प्रशांत जैन, निलेश जैन, सीताराम जैन, मोनू जैन, दया जैन, अनुज जैन, संदीप जैन, प्रभाकर भारती जैन, सुषमा जैन, ज्योति जैन, शालिनी जैन, निधि जैन सहित नगर परिषद की पार्षद एवं जैन समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि जैन समाज सदैव शांति, अहिंसा, कानून और संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास करता है। इस आंदोलन का उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि तपस्वी संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना है। अंत में समाजजनों ने प्रशासन से अपेक्षा की कि इस संवेदनशील विषय पर गंभीरता के साथ त्वरित, प्रभावी एवं ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे संत समाज स्वयं को सुरक्षित एवं सम्मानित अनुभव कर सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान सेक्टर स्तर पर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्य प्रदेश शासन एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद संपूर्ण मध्य प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चला कर लोगों को जल के प्रति आस्था, जल संरक्षण, जल स्थलों तथा जल स्रोतों की साफ सफाई के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जल जल गंगा संवर्धन अभियान (गंगा दशहरा) के उपलक्ष में जल स्रोत पूजन एवं गंगा कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कोतमा विकासखंड अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 4 में नवाकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के मार्गदर्शन मे प्रस्फुटन समितियां के सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान गंगा दशहरा के उपलक्ष में जल स्रोत पूजा एवं गंगा कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया जहां कलश यात्रा मे ग्रामीणों ने बढ़-चढ कर हिस्सा लिया वही जल स्रोत पूजा में जल के प्रति सम्मान जल स्रोत के अगल-बगल साफ-सफाई का संकल्प लिया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवन के लिए नदियों, तालाबों, कुओं और जलाशयों की सफाई एवं संरक्षण तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना और लोगों को जल बचाने के लिए जागरूक करना सामुदायिक सहभागिता से जल संकट कम करने का प्रयास है। जल स्रोत पूजा कुआँ, तालाब, नदी, बावड़ी आदि जल स्रोतों के प्रति सम्मान और संरक्षण का संदेश और जल स्रोतों की साफ-सफाई और संरक्षण का संकल्प तथा समाज में जल के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना मूल उद्देश्य है। गंगा कलश यात्रा जल संरक्षण, स्वच्छता और सांस्कृतिक जागरूकता से जुड़ी यात्रा और कलश में पवित्र जल लेकर लोगों मे जन-जागरूकता व जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना। य ह कार्यक्रम बैहाटोला, चगेरी, पथरौड़ी, कटकोना, पैरीचुआ मे आयोजित किया गया उपरोक्त समस्त ग्राम पंचायतो का सहयोग रहा साथ ही प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे जिसमे विकास खंड समन्वयक सरिमन साकेत, ओंकार सिंह, श्रीमती साधना अहिरवार, महिप तोमर, गुलशन श्रीवास्तव, प्रदीप सिंह, राजकुमार सिंह, ज्योति सिंह, उमावती सिंह, ललिता केवट, कशिया तिवारी, मुकेश केवट, निर्मला सिंह, सरवन सिंह, उमा केवट जगत प्रसाद केवट, लोकनाथ सिंह का सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

जनसुनवाई में 73 आवेदन में की सुनवाई

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने 73 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील कोतमा के ग्राम बुढ़ानपुर निवासी राजेश सोनी ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम राजाकछार निवासी श्रीमती इन्द्रवती महरा ने सीमांकन कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम पगना निवासी श्रीमती लौंगी बाई चौधरी ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाए जाने, तहसील जैतहरी के ग्राम मनिकपुर निवासी कमलेश राठौर ने नक्शा तरमीम कराए जाने के संबंध में आवेदन दिए। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने, खसरे में सुधार किए जाने, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

अनूपपुर के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए अवकाश घोषित

अनूपपुर। जिले में लगातार बढ़ रही अत्यधिक गर्मी, तेज धूप और हीटवेव (लू) के प्रकोप को देखते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इसके तहत जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले छोटे बच्चों के लिए तत्काल प्रभाव से अवकाश घोषित कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, स्थानीय स्तर पर 25 मई से 31 मई तक बच्चों के लिए छुट्टी रहेगी, जिसके ठीक बाद 01 जून से 15 जून तक शासन स्तर से निर्धारित ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रभावी रहेगा। आगामी 15 जून तक बच्चों के लिए केंद्र बंद रहेंगे और 16 जून से सभी आंगनबाड़ी केंद्र अपने नियत समय पर पुनः खुलेंगे। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बच्चों के लिए अवकाश की इस अवधि में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को छूट नहीं रहेगी। उन्हें प्रतिदिन प्रातः 08.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक अनिवार्य रूप से केंद्र में उपस्थित रहना होगा। इस दौरान वे विभागीय रिकॉर्ड दुरुस्त करने के साथ-साथ अन्य शासकीय कार्यों का संपादन करेंगी। इसके अलावा, बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए अवकाश के दिनों में भी पात्र हितग्राहियों को भोज्य पदार्थ के रूप में पूरक पोषण आहार का वितरण सुचारू रूप से किया जाता रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से पूरे जिले में लागू कर दिया गया है।

जैन समाज ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

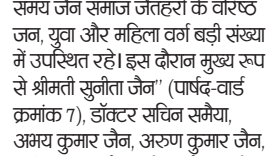

जैतहरी। मध्य प्रदेश के रीवा में बीती 20 मई को कार चालक की लापरवाही के कारण आर्यिका 105 श्रुति माता जी एवं उपशम मति माता जी की असामयिक समाधि होने की हृदयविदारक घटना के विरोध में मंगलवार 26 मई को जैन समाज जैतहरी द्वारा गहरा आक्रोश और दुख व्यक्त किया गया। इस दुखद घटना को लेकर जैन समाज के प्रबुद्ध जनों और श्रद्धालुओं द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से जैन समाज की मुख्य मांग रीवा में हुई इस सड़क दुर्घटना की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच की जाए ताकि असल सच्चाई सामने आ सके। देश भर में विहार करने वाले जैन साधु-संतों की सुरक्षा के लिए एक कड़ा संत सुरक्षा प्रोटोकॉल और राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति लागू की जाए। संतों के विरुद्ध होने वाले अपराधों या लापरवाही की घटनाओं को कानूनन विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाए। प्रशासन और समाज के बीच एक ऐसा मजबूत समन्वय तंत्र स्थापित हो, जिससे संतों के विहार की सुरक्षा पहले से सुनिश्चित की जा सके। ज्ञापन सौंपते समय जैन समाज जैतहरी के वरिष्ठ जन, युवा और महिला वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य रूप से श्रीमती सुनीता जैन" (पार्षद-वार्ड क्रमांक 7), डॉक्टर सचिन समैया, अभय कुमार जैन, अरुण कुमार जैन, मनीष कुमार जैन, मुकेश जैन, राजेश कुमार जैन (शिक्षक), आशीष जैन, आकाश जैन, पारस जैन, सौरभ जैन, शुभम जैन, आयुष जैन सहित समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति (महिला वर्ग) उपस्थित रही।

लिखित आश्वासन के बाद खुला जाम, जनता परेशान, प्रशासन रहा नतमस्तक

किसानों ने 11 घंटे तक किया सड़क जाम

गेहूं खरीदी व बिजली सप्लाई को लेकर, किसान एकता संघ का बड़ा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिला मुख्यालय के अंडर ब्रिज के पास बीते 11 घंटे से लगे जाम से अब जिले वासियों को राहत मिल चुकी है दोपहर 12:00 से लगा जाम लगभग रात्रि 11:00 बजे जाकर खुला है। किसानों के लगातार संघर्ष और दबाव के आगे जिला प्रशासन झुक गया और किसानों की बातें मानी गई, किसानों को लिखित आश्वासन दिया गया है कि उनका गेहूं खरीदा जाएगा और उन्हें 24 घंटे बिजली भी प्रदान की जाएगी, इसके बाद जिले भर के किसानों और आमजन को काफी राहत मिल गई है। अब देखना यह होगा की कितनी जल्दी किसानों को किए गए वादे का लाभ मिलता है और प्रशासन अपने वादे को पूरा करता है।

यह था मामला

गेहूं खरीदी एवं बिजली की सप्लाई को लेकर किसानों का जिला मुख्यालय अनूपपुर में आज 25 मई को जोरदार सफल प्रदर्शन हुआ, सैकड़ो की संख्या में ट्रैक्टर लेकर किसान जिला मुख्यालय पहुंचे। अनूपपुर में किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विशाल रैली एवं धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान हाथों में तिरंगा और बैनर लेकर सड़कों पर उतरे तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल किसानों ने समर्थन मूल्य, खाद-बीज की व्यवस्था, बिजली समस्या, सिंचाई सुविधाओं और किसानों के हित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जहां किसानों ने सरकार और प्रशासन तक अपनी आवाज पहुंचाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कई किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। धरना स्थल पर किसान नेताओं ने कहा कि किसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, वहीं बिजली कटौती और सिंचाई संकट ने खेती को प्रभावित किया है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से भी किसान पहुंचे, जिससे माहौल पूरी तरह आंदोलनमय नजर आया।

नियम विरुद्ध लगाया जाम, प्रशासन रहा नतमस्त

सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के अनुसार, किसी भी सार्वजनिक मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग या सार्वजनिक स्थान को अनिश्चितकाल के लिए जाम करना या अवरुद्ध करना गैरकानूनी है। न्यायालय ने माना है कि विरोध-प्रदर्शन करने का अधिकार संविधान के तहत मौलिक है, लेकिन इसे दूसरों के आवागमन के अधिकार और सार्वजनिक सुरक्षा की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता है। लगभग 11 घंटे मुख्य मार्ग किसानो ने जाम कर रखा था, जो की नियम विरुद्ध था, आम जनता इस जाम से पूरी तरह परेशान दिखी, उसके बाद भी पुलिस प्रशासन किसानों के जाम के सामने पूरी तरह नतमस्तक दिखा, जिला मुख्यालय में बैठे आला अधिकारी किसानों के सामने बेबस नजर आए, जब लिखित में मांगे मानी गई तक जाकर जाम खुला।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में भारी अव्यवस्था

कर्मचारी व आम निवासियों की फ़ज़ीहत

हरिभूमि न्यूज चचाई।

चचाई पावर प्लांट एक ओर जहां रिकॉर्ड उत्पादन कर प्रदेश ही नहीं देश में अपनी पहचान बनाता जा रहा है उसी विद्युत नगरी के कर्मचारी इंजीनियर ठेका श्रमिक एवं आम निवास बिजली, पानी जैसी समस्या से हलाकान है। लचर प्रबंधन व अफसरसाही के कारण हर क्षेत्र में स्थिति बिगड़ती जा रही है। अप्रैल, मई की भीषण गर्मी में विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बना रहे कर्मचारी इंजीनियर व ठेका श्रमिक दिन-रात कई घंटे बिजली बंद रहने से परेशान हैं जबकि पूर्व में ताप विद्युत गृह परिक्षेत्र में स्थापित विद्युत वितरण केंद्र उत्पादन में लगे कर्मचारियों की सुविधा हेतु स्थापित किया गया था जो समय के साथ विस्तार स्वरूप ग्रामीण अंचलों से जुड़ गया है वितरण केंद्र में पुराने कर्मचारियों के रिटायरमेंट होने के बाद ठेके पर रखे कर्मचारी व इंजीनियर के कारण आए दिन फॉल्ट होकर ब्लैक आउट जैसी स्थिति बनती है समय पर मेंटेनेंस पर ध्यान न देने के कारण विद्युत उत्पादन में लगे कर्मचारियों एवं आम नागरिक परेशान हैं बिजली की समस्या पर मुख्य अभियंता को पत्र व्यवहार कर कड़े निर्णय लेने होंगे ताकि इन सभी का असर विद्युत उत्पादन पर ना पड़े। विगत एक सप्ताह से भीषण गर्मी में कर्मचारी व आम लोगों को एक बाल्टी पानी नही मिल पा रहा है जिससे संबंधित विभाग के अधिकारियों के लापरवाही उजागर हो रही है। इस संबंध में कर्मचारी एवं आम लोगों के अनुसार अधिकारी वर्ग कॉलोनी में कई घंटे पानी दिया जा रहा है जबकि कर्मचारियों को 10 मिनट ही पानी मिल पा रहा है वहीं अधिकारियों के मनोरंजन हेतु बनाए गए स्विमिंग पुल में पानी प्राथमिकता से भरने की जानकारी आ रही है जो लोगों के समझ से परे हैं। उत्पादन में लगे कर्मचारियों व आम निवासियों को बिजली, पानी प्राथमिकता से मिले इस पर मुख्य अभियंता, श्रम संगठनो को संबंधित विभाग को अवगत करा व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी ताकि रिकॉर्ड उत्पादन पर इन समस्याओं का असर न पड़े ताप विद्युत गृह में कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने हेतु कई श्रम संगठन बने हैं किंतु जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं को दूर करने हेतु कभी कोई पहल नहीं की जाती जो समझ से परे हैं यह संगठन केवल वेतन भत्ता बढ़ाने हेतु आंदोलन करते हैं आम समस्याओं से उन्हें कोई लेना देना नहीं रहता।

भाजपा पार्षद संजय पर गरीब महिला से जमीन के नाम पर ठगी का आरोप

शासकीय भूमि को निजी बताकर ऐंठे लाखों रुपये

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर पालिका परिषद अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद संजय चौधरी एवं सूर्या चौधरी पर एक गरीब मजदूर महिला से शासकीय भूमि को निजी पट्टे की जमीन बताकर लाखों रुपये लेने का गंभीर आरोप लगा है। मामले को लेकर पीड़िता ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता रजनी रजक पति स्वर्गीय लाला रजक, निवासी वार्ड क्रमांक 6 सामतपुर, थाना, तहसील एवं जिला अनूपपुर ने आवेदन में बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं। वर्ष 2023-24 में वार्ड क्रमांक 2 निवासी सूर्या चौधरी एवं पार्षद संजय चौधरी उनके घर पहुंचे और मॉडल स्कूल के पास स्थित भूमि को अपना पट्टे की जमीन बताते हुए विक्रय करने की बात कही। पीड़िता के अनुसार, दोनों आरोपियों ने पहले विद्युत ठेकेदार करतार केवलानी के सामने 50 हजार रुपये लिए। इसके बाद दो अलग-अलग अवसरों पर उनके घर पहुंचकर उनके बेटे के सामने 50-50 हजार रुपये और लिए। इस प्रकार कुल 1 लाख 50 हजार रुपये उनसे ले लिए गए। वहीं जमीन पर बाउंड्री निर्माण कराने के नाम पर महिला से दो गाड़ी मुरूम और दो गाड़ी ईंट भी गिरवाई गई, जिसमें लगभग 50 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च हुए। इस तरह पीड़िता को करीब दो लाख रुपये की आर्थिक क्षति हुई। महिला ने आवेदन में बताया कि घरेलू समस्याओं के चलते वह तीन माह तक बाउंड्री निर्माण नहीं करा सकीं। इसी दौरान उक्त जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई। बाद में जानकारी मिली कि जिस भूमि को निजी पट्टे की जमीन बताया गया था, वह वास्तव में शासकीय भूमि है। पीड़िता का आरोप है कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो दोनों आरोपियों द्वारा लगातार टालमटोल की जाती रही। आज तक न तो राशि लौटाई गई और न ही कोई जमीन दिलाई गई। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि उनसे ली गई पूरी राशि वापस दिलाई जाए तथा दोनों आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। मामले में पार्षद संजय चौधरी की भूमिका को लेकर राजनीतिक चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। पीड़िता ने कहा है कि एक जनप्रतिनिधि से जनता ईमानदारी, पारदर्शिता और सेवा भाव की अपेक्षा रखती है, लेकिन यदि किसी गरीब मजदूर महिला को शासकीय भूमि को निजी बताकर आर्थिक रूप से ठगने जैसे आरोप सामने आते हैं तो यह जनप्रतिनिधि के चाल, चरित्र और नैतिक जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यदि "चाल, चरित्र और चेहरा" की राजनीति की बात करती है तो ऐसे मामलों में पार्टी को स्पष्ट रुख अपनाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि आम जनता का विश्वास लोकतांत्रिक व्यवस्था में बना रहे।

गंगा दशहरा पर अमरकंटक में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, मां नर्मदा में लगाई डुबकी

नौतपा की तपिश पर भारी पड़ी आस्था

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

भीषण गर्मी और नौतपा की तपती दोपहर भी श्रद्धालुओं की आस्था को रोक नहीं सकी। मध्यप्रदेश की पावन तपोभूमि एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पतित पावनी मां नर्मदा के तटों पर पहुंचकर स्नान, पूजन-अर्चन एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। दिनभर पूरी नगरी भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दी। अधिमास ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र एवं मंगलवार के शुभ संयोग ने इस पर्व की आध्यात्मिक महत्ता को और अधिक बढ़ा दिया। सुबह की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हो गया और मां नर्मदा के रामघाट, कोटि तीर्थ, घाट कुंड तथा आरंडी संगम क्षेत्र श्रद्धालुओं की उपस्थिति से जीवंत हो उठे। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के निर्मल जल में आस्था की डुबकी लगाकर अपने जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगल की कामना की। स्नान के बाद श्रद्धालु नर्मदा उद्गम मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने दर्शन, ध्यान एवं पूजन कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। सुबह लगभग पांच बजे से प्रारंभ हुआ यह क्रम दोपहर तक लगातार चलता रहा। गंगा दशहरा के इस अवसर पर आरंडी संगम स्थित योगीराज श्री सीताराम दास जी महाराज के गुफा आश्रम में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आचार्यों एवं विद्वान पंडितों के सान्निध्य में अभिषेक, वैदिक पूजन, हवन तथा महाआरती संपन्न हुई। इसके उपरांत कन्या पूजन, संत एवं ब्राह्मण भोजन तथा जरूरतमंदों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। धार्मिक आयोजन को और अधिक भावपूर्ण बनाने में करौंदी ग्राम की मानस मंडली की विशेष भूमिका रही। मंडली द्वारा प्रस्तुत अखंड भजन-कीर्तन से संपूर्ण परिसर भक्तिरस में डूबा रहा और श्रद्धालु देर तक भक्ति भाव में लीन दिखाई दिए। आश्रम प्रबंधन के अनुसार नागपुर, रामटेक, मंडला, डिंडोरी, शहडोल, अनूपपुर सहित अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे और मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त किया। नौतपा की तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच अमरकंटक ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब श्रद्धा अटूट हो, तो मौसम की कठिनाइयां भी आस्था के मार्ग में बाधा नहीं बन पातीं। गंगा दशहरा पर यहां श्रद्धा, संस्कृति और सनातन परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

गंगा दशहरा पर पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ: श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री नर्मदा महापुराण कथा

अमरकंटक के श्री मार्कण्डेय आश्रम में सात दिवसीय धार्मिक आयोजन का हुआ भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की पवित्र धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित अग्नि पीठ अखाड़ा श्री मार्कण्डेय आश्रम में आयोजित सप्त दिवसीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री नर्मदा महापुराण कथा का आज गंगा दशहरा के पावन अवसर पर वैदिक परंपराओं एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ भव्य समापन एवं पूर्णाहुति संपन्न हुई। माँ नर्मदा सेवा समिति जिला मुंगेली (छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में आयोजित यह धार्मिक आयोजन इस वर्ष अपने चतुर्थ वर्ष में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र सहित दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ 18 मई दिन सोमवार, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था। इसके बाद सात दिनों तक प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्री रुद्र महायज्ञ एवं सायंकाल श्री नर्मदा महापुराण कथा का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण, यज्ञ अनुष्ठान एवं सत्संग में शामिल होकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। समापन अवसर पर गंगा दशहरा, 26 मई को आचार्य एवं पुरोहितों के सान्निध्य में हवन, पूजन, अर्चन, अभिषेक एवं महाआरती संपन्न हुई। इसके उपरांत संत भोजन, कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन के दौरान संत-महात्माओं एवं विद्वान आचार्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में ब्रह्मलीन परमहंस जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद का स्मरण किया गया। साथ ही आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि श्रीराम कृष्णानंद जी महाराज एवं यज्ञाचार्य पंडित रामनरेश शास्त्री के सान्निध्य ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। समिति ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में धर्म, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना एवं मानव कल्याण की भावना को सशक्त करते हैं। अमरकंटक की पावन वादियों में सात दिनों तक वैदिक मंत्रों की गूंज, यज्ञ की दिव्यता एवं माँ नर्मदा की आराधना से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना रहा। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति एवं सनातन संस्कृति का अविस्मरणीय उत्सव बन गया।

जल है तो कल है, बनगवां नगर परिषद ने शुरू किया जल गंगा संवर्धन अभियान

गंगा दशहरा पर जोड़ा तालाब में चला स्वच्छता, अभियान

हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन को लेकर मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित "जल गंगा संवर्धन अभियान" 30 जून तक यह अभियान चलाया जाएगा। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा सोमवार 25 मई को विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 05 स्थित जोड़ा तालाब में जनभागीदारी के माध्यम से साफ-सफाई, संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया। जन संरक्षण केवल नीति नहीं बल्कि जीवन शैली है और इसे जन आंदोलन बनाना समय की आवश्यकता है। यह अभियान आने वाली पीढ़ियां

के लिए जल संपन्न भविष्य की नई नींव रख रहा है। कार्यक्रम सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखनलाल पनिका, नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय सिंह सहित समस्त पार्षदगण एवं स्थानीय नागरिक व व्यापारीगण शामिल। नगर परिषद द्वारा आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों से अपील कि है कि नगर पालिका द्वारा चलाई जा रही जल गंगा संवर्धन मुहिम में एक जूता का परिचय दें जिससे कि आने वाले दिनों में नगर में जल को लेकर किसी भी प्रकार का संकट उत्पन्न ना हो। नगर परिषद बनगवां द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम केवल सफाई अभियान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का भी माध्यम बनेगा। स्थानीय स्तर पर जल स्रोतों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।